



Diamond
Comics

D-1883-Rs.20.00

चाचा चौधरी का अपहरण



चाचा चौधरी का अपहरण



पृथ्वी से बहुत दूर, अन्तरिक्ष में एक विशाल अम्बिका ग्रह के दरबार की मजदूर पृथ्वी पर पड़ी तो उसका मन उसे पाने के लिए मचल उठा। उसने एक माइक्रोकम्प्यूटर पृथ्वी के समस्त ज्ञान को पाने के लिए भेजा।

माइक्रोकम्प्यूटर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। एक वर्ष बाद जब वह लौटेगा तो उसके पास पृथ्वी की प्रत्येक जानकारी होगी, यह तक कि वह पृथ्वी के प्रत्येक निवासी का चरित्र भी बता सकेगा।



एक वर्ष बाद... माइक्रोकम्प्यूटर के लौटने पर....

स्वामी, माइक्रोकम्प्यूटर में संचित ज्ञान को पढ़कर जो रिपोर्ट तैयार की गई है वह इस प्रकार है.....



वहरो! पृथ्वी पर एक देश है, भारत। उसमें एक छोटा सा टापू डा. जॉन नामक एक वैज्ञानिक का है, वहां हमने एक विशाल प्रयोगशाला देखी थी। हम पृथ्वी से पहले उसी के बारे में जानना चाहेंगे।

पृथ्वी पर डा. जॉन एक बहुत बड़ा वैज्ञानिक है। उसके पास ऐसे-ऐसे अस्त्र-शस्त्र हैं जो पृथ्वी पर अन्य किसी के पास नहीं हैं। वह उनका प्रयोग पृथ्वी की भलाई के लिए करता है, उसके सहायक फौलाद व लम्बू हैं। इसी प्रकार भारत का प्रत्येक व्यक्ति बहादुर व देशभक्त है, इनमें प्रमुख हैं...

चाचा चौधरी, लम्बू-ओढ़, चाचा-भतीजा, महाबली शाका, जाम्बू-चक्रम, इ. गिरिश, आंभा-आंजा, राजन-इकबाल तथा कुछ और व खतरनाक व्यक्ति भी हैं जैसे मोढ़-पतलू डा. भटका, धसीटा राम व जूडो मास्टर आदि। जानकारी इस प्रकार है, वह सुनिए...



ठीक है। पृथ्वी के बारे में हमें सबकुछ मालूम हो गया। पृथ्वी के एक हिस्से यानी भारत में चाचा चौधरी नाम के एक व्यक्ति का दिमाग कम्प्यूटर से भी ज्यादा तेज चलता है, भारत की सारी जनता उसे प्यार करती है। अगर उसका अपहरण कर लिया जाए तो न केवल भारत के बल्कि पूरी पृथ्वी के सभी बहादुर व्यक्ति उसे छुड़ाने के लिए डा० जॉन की सहायता से हमारे ग्रह पर आएंगे। इस प्रकार हम उन सबको समाप्त कर देंगे बड़ी आसानी से। फोल्गाद और लम्बू के डुप्लीकेट पृथ्वी पर भेजकर पहले डा० जॉन की प्रयोगशाला और फिर पूरी पृथ्वी पर कब्जा कर लेंगे।

आपकी योजना शानदार है, स्वाामी!

हमें अपने सम्राट पर भरोसा है कि एक नए ग्रह पर अधिकार करने के लिए उन्होंने इतनी शानदार योजना बनाई है।

कन्ट्रोल रूम में सम्राट गुलामाजी के आदेश पर...

नमो सेना, सेक्टर नं० दस का सौवां शकेट पृथ्वी से चाचा चौधरी को ले आये। आवश्यक जानकारी मुख्यालय भेज दी गई है, वहीं से प्राप्त करें।

ठीक है श्रीमान!

आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के बाद सेक्टर नं० दस का शकेट बचाना हुआ। उसकी गति की कल्पना नहीं की जा सकती थी, उसकी लम्बाई एक मील थी।

पृथ्वी के समयानुसार उसने तीस मिनट में आधी दूरी तय कर ली।

वह शकेट पृथ्वी के एक निर्जन स्थान पर उतरा, फिर उसमें से एक उड़नतश्तरी निकली।

उड़नतश्तरी को अदृश्य कर लो ताकि कोई देख न सके!

ओ आज़ा!

अदृश्य होकर उड़नतश्तरी चाचा चौधरी के भवन पर पहुंची।

चाचा चौधरी अपने शक्तिशाली दोस्त साबू के साथ मौजूद हैं। उन्हें चुम्बकीय शक्ति से खींच लो।



अरे....
रे...रे...

साबू कोई
हमें चुम्बकीय
शक्ति से
रवीच रहा
है।

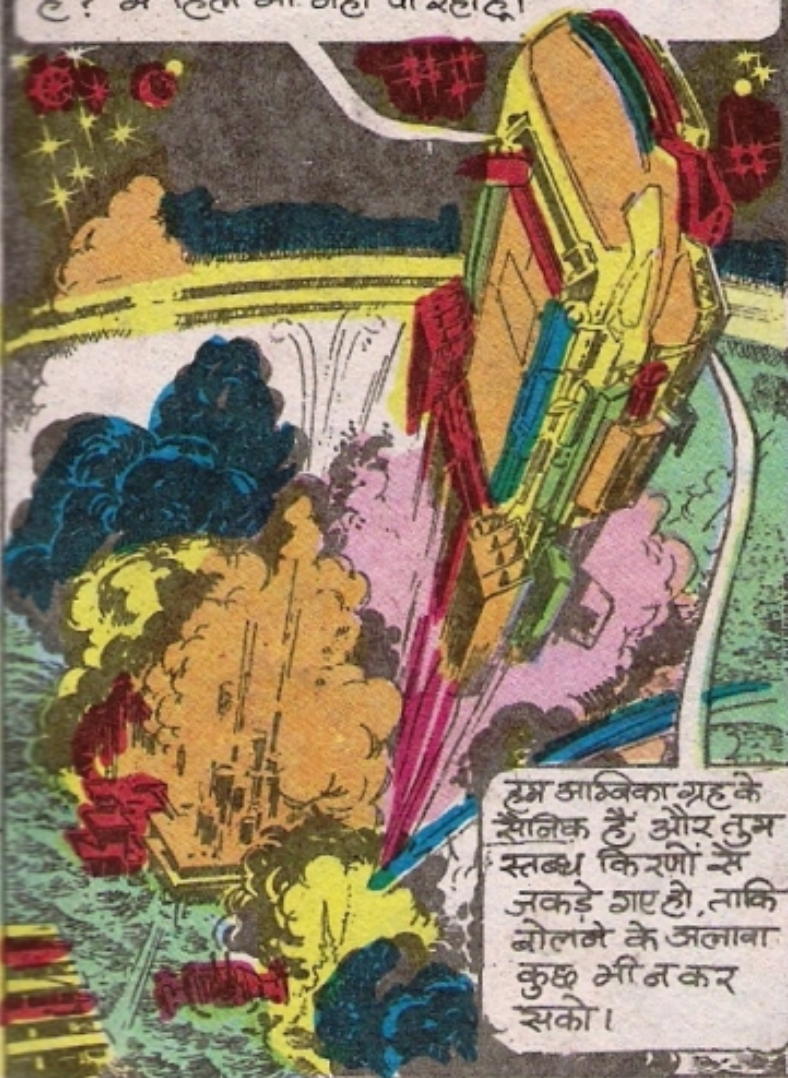
चाचा चौधरी को उड़नतश्तरी के अन्दर ले लिया गया। साबू के लिए तो दरवाजा ही छोटा था अतः उसे उड़नतश्तरी की सतह से चिपका लिया गया।



वह गायब हो
गए और लगता
है मैं किसी
कठोर सतह पर
चिपका हुआ हूँ।

उड़नतश्तरी फिर वापस राकेट में समा गई। अन्दर साबू के लिए भी स्थान था, फिर राकेट वापस अपने ग्रह की ओर उड़-चला।

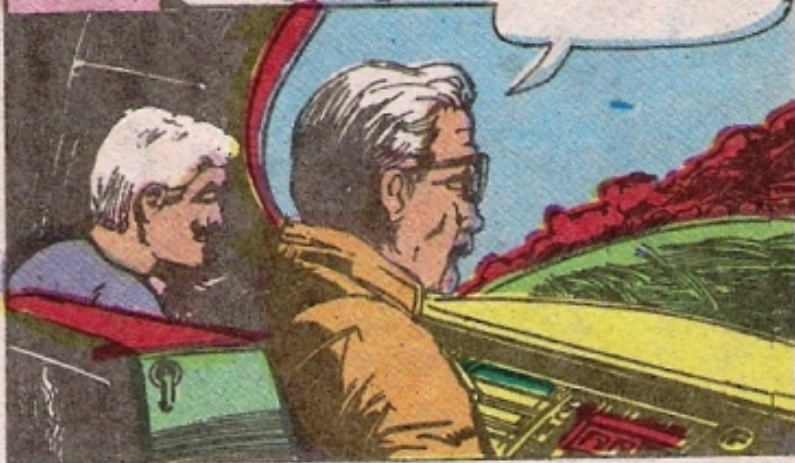
तुम कौन हो भई? और मेरा शरीर क्यों अकड़ गया है? मैं हिल भी नहीं पा रहा हूँ।



हम आबिका ग्रह के
सैनिक हैं और तुम
सब्सक्रिप्शन से
जकड़े गए हो, ताकि
बोलने के अलावा
कुछ भी न कर
सको।

आ जॉन
की प्रयोग-
शाला में...

यन्त्रों में कुछ गड़बड़ है। यह तो पता लग रहा है कि पृथ्वी के वायुमण्डल में कोई बाहरी दुनिया की चीज आई है लेकिन यह क्या है? यह पता नहीं लग रहा है।



खराबी ठीक करने में जो समय खर्च हुआ उसने समय में आबिका ग्रह का राकेट अपने अभियान में सफल होकर लौट रहा था।



बाहरी दुनिया का
राकेट! वह पलक
भपकते ही पृथ्वी
के वायुमण्डल से
बाहर हो गया!!
वह किरणों की
गति से लौट रहा
है।

अम्बिका ग्रह के प्रसारण कक्ष में डा. जॉन की आकृति उभरी।



तुम कौन हो और यहां क्यों आए थे?

ऐ! यह तो डा. जॉन है।

अपने प्रसारण चित्रपट की चालू करो और देख लो।

और प्रसारण कक्ष का चित्र चालू होने पर —

नहीं... नहीं... यह तो चाचा चौधरी और साबू हैं, स्तब्ध किरणों में जकड़े हुए।



हां, हम इनका अपहरण करके ले जा रहे हैं। हिम्मत है तो अम्बिका ग्रह पर आकर इन्हें छुड़ा ले जाना।

डा. जॉन ने रेडियो तरंगों के माध्यम से राकेट का पीछा किया और आत्रापथ बना लिया।



मालूम हो गया। अम्बिका ग्रह 30000 प्रकाश वर्ष दूर है। भारत सरकार को सूचित करें।

डा. जॉन ने नई दिल्ली से नदेश भेजा। फिर प्रधान मंत्री के आदेश पर —



अम्बिका ग्रह से आया राकेट चाचा चौधरी और साबू को ले गया।

सुप्त भवन में लम्बू मोद् ने भी यह दुःखद समाचार सुना।

यह अम्बिका ग्रह का राकेट था जिसे डा. जॉन ने अपनी प्रयोगशाला में देखा।



!?



30000 प्रकाश वर्ष दूर अम्बिका ग्रह के राकेट द्वारा चाचा चौधरी और साबू का अपहरण

वे सभी दुर्घटना स्थल पर पहुंचे।

एक लड़के ने बताया कि वह गुब्बारे की तरह उड़ रहे थे।

इसका मतलब शकेट से कोई छोटा शकेट भेजा गया जो अदृश्य था, उसने चुम्बकीय शक्ति से खींच लिया उन्हें।

घास गायब हो गई है। स्पष्ट है उन्हें चुम्बकीय शक्ति से खींचा गया है।

!?

जब हमें पता चला कि चाचा चौधरी का अपहरण हो गया, हमारा दिल दुख से फट पड़ा।

हम भी उनकी खोज में हिस्सा लेंगे।

आं जॉन ने फैसला दिया।

इस विषय पर हम डायमंड कॉमिक्स के स्क्रिप्ट हाउस ने निर्णय लेंगे। कल पांच बजे मीटिंग शुरू होगी।

अपने घर पर...

सुनी, भगवान ने हमारी किस्मत कदू से लिखी थी, इसलिए अब तक के हर काम में कदू ही मिले हैं। अगर हमने चाचा चौधरी को दूध निकाला तो हमारे माम का बेल तो क्या पूरा बैण्ड ही बज जाएगा।

चाचा चौधरी की दुंदुना कोई बड़ी बात नहीं है। क्योंकि मैंने आंशों में डालने के लिए मेंदक की खाल का ऐसा सुरमा बनाया है जिसे डालते ही हर तरफ चाचा चौधरी नजर आएंगे।

डायमण्ड कॉम्प्लेक्स का स्क्रिप्ट हाउस, जहां गम्भीर मामलों पर विचार विमर्श करने के लिए यह सब एकत्र हुए आज इनकी अध्यक्षता डा. जॉन कर रहे थे, उनके साथ एक रहस्यमय नकाबपोश भी था और लम्बू मोह चाचा-भतीजा, महाबली शाका, डॉ. गिरिश जासूस चक्रम, ताऊ जी, आभा-भोजा, राजन-इकबाल फैलाह और लम्बू तथा डायमण्ड कॉम्प्लेक्स के नए सदस्य मोह-पतल, चेलाराम, डा. भट्टका, मास्टर घसीटा राम और जूड़ा मास्टर तो थे ही।

जैसा कि हम जानते हैं चाचा चौधरी का अपहरण अम्बिका ग्रह के रॉकेट ने किया है अतः उन्हें वापस लाने के लिए हमें किसी एक व्यक्ति से नहीं बल्कि पूरे अम्बिका ग्रह से मुकाबला करना है।

पूरे अम्बिका ग्रह से एकत्रित करने के लिए ताकत चाहिए। मेरे पास ताकत का रूजेंक्शन है जो मैंने मगरमच्छ और गेंडे की खाल के जूस से बनाया है।

इसीलिए मैं पाव भर दूध पीकर आया हूँ।

मेरी सलाह मानो भाई! अम्बिका ग्रह के सखाट से कहो, मोह-पतल, चेलाराम और डा. भट्टका को शरबलेव चाचा चौधरी को छोड़ दे इससे सारे ग्रह पर आनन्द ही आनन्द होगा और सारे भंभट भी खत्म हो जाएंगे।

मैंने कुछ समय पहले डार्फ रॉकेट बनाया था, जो हमें अम्बिका ग्रह पर पर पहुंचा सकता है। डार्फ रॉकेट में वे सभी रखियां हैं जो अम्बिका ग्रह के रॉकेटों में नहीं होंगी। मेरे पास और भी कई रॉकेट हैं। मेरा ख्याल है हम सबको अलग-अलग दिशा से अम्बिका ग्रह पर जाना चाहिए। मैं पृथ्वी पर ही अपनी प्रयोगशाला से अम्बिका ग्रह जाने वालों की मदद करूंगा। मेरा पृथ्वी पर रहना इसलिए आवश्यक है कि मुसीबत के समय न केवल तुम्हारे रॉकेटों की पृथ्वी से कन्ट्रोल करूंगा बल्कि जरूरत पड़ने पर तुम्हारी मदद के लिए अपने टापी के रोबोट तथा कम्प्यूटर सेना भेजूंगा। इसके अलावा मैं तुम्हें अन्तरिक्ष में वह सब सुविधाएं दूंगा जो पृथ्वी पर तुम्हें सहज ही प्राप्त हो जाती हैं।



मेरे साथ जो नकाबपोश आप देख रहे हैं वह अपना रहस्य तभी खोलेंगा जब चाचा चौधरी हमें वापस मिल जाएंगे। इस बीच हम सब इनकी हर बात मानेंगे और इनकी प्लानिंग के अनुसार काम करेंगे। इन्हीं की प्लानिंग के अनुसार हमने तीन ग्रुप बनाए हैं।



ग्रुप नम्बर एक में फौलादी सिंह, लम्बू मोटू, इं. गिरीश और महाबली शाका होंगे। ग्रुप नम्बर दो में चाचा भतीजा, मामा भाना, ताऊ जी और जासूस चक्रम होंगे। ग्रुप नम्बर तीन में मोटू-पतलू, डा. भटका, मास्टर घसीटा राम, चेला राम और राजन-इकबाल होंगे।



यह नकाबपोश किस ग्रुप के साथ रहेंगे ?

यह अलग राकेट में जाएंगे लेकिन बाकी तीनों राकेटों से इनका सम्पर्क बना रहेगा। अब मैं आप सबकी अपने टापू पर ले चलता हूँ।



बाद में डा. जॉन के टापू पर...

चारों राकेटों के मॉडल अलग-अलग हैं अगर योग्यता में समान हैं। जो ग्रुप जिस राकेट को पसन्द करेगा, उसे वही मिलेगा।

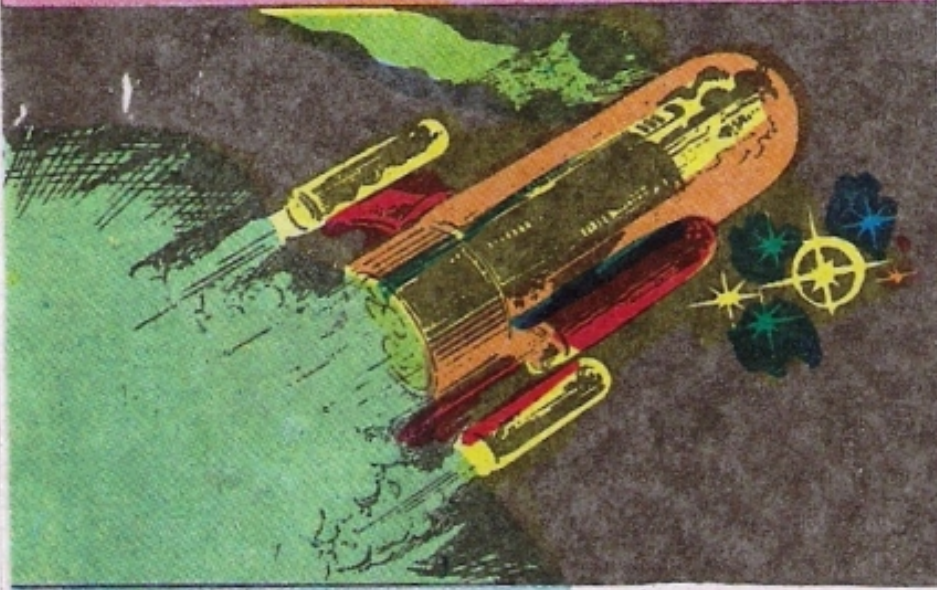
क्या दूर की बात सोची है!

हम आपके की शक्ल वाला लेंगे, उसमें उल्टा सीधा चलने का खतरा नहीं होगा।



क्या कहा? ये मोची है?

मोड़ पतलू का ध्यान अन्तरिक्ष में खाना हो गया।



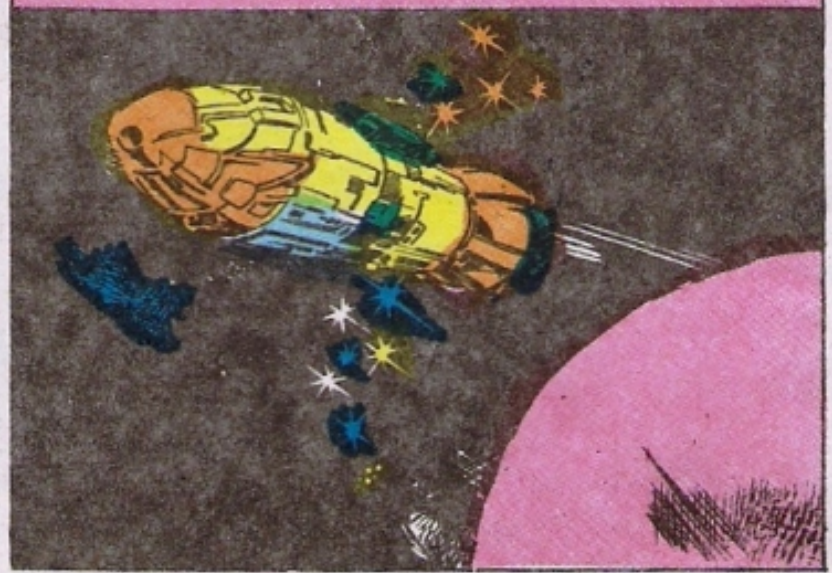
तभी ग्रुप नम्बर एक का राकेट भी।



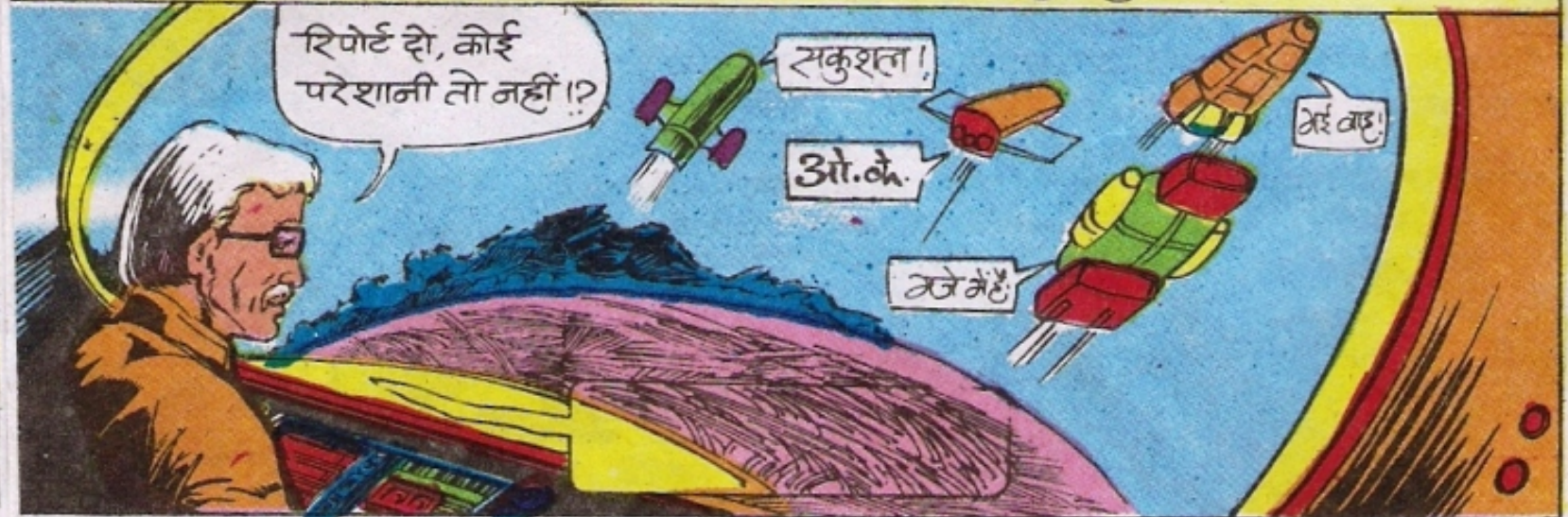
फिर ग्रुप नम्बर दो का ध्यान भी खराब हो गया।



फिर हफ्टन राकेट भी उड़ चला, अकेला!



बाद में... चारों राकेट अलग अलग दिशा में अम्बिका ग्रह की ओर बढ़ रहे थे, जिन्हें डा. जॉन अपने टापी की नि प्रयोगशाला से देख रहे थे। चारों राकेटों से उनका रेडियो सम्पर्क जुड़ा हुआ था।



चुर के एक यानी डार्फ राकेट के प्रसारण कहा की स्क्रीन पर हुन्टर राकेट में सवाल नकाबपोश नजर आया.

और उसे नष्ट कर देंगे।

तुम अम्बिका ग्रह के बहुत निकट हो, तुम पर किसी की समय अम्बिका ग्रह से हमला हो सकता है। हमले के फलफर अम्बिका ग्रह के सौर ऊर्जा केन्द्र पर उतरो।

ठीक है, उतरने से पहले हमें खोजी कम्प्यूटरी के जरिए यह काम कर लेंगे।



तुम अम्बिका ग्रह के हिम प्रदेश की ओर प्रवेश करके वहां का तापमान बढ़ा देना, जिससे बर्फ पिघल कर नदियों में बाढ़ आ जाएगी।

युप नम्बर दो यानी तिकोन राकेट के प्रसारण कहा में.....

नदियों में बाढ़ आने से अम्बिका ग्रह का जन जीवन अस्त व्यस्त हो जाएगा, बांध व पुल टूट जाएंगे।



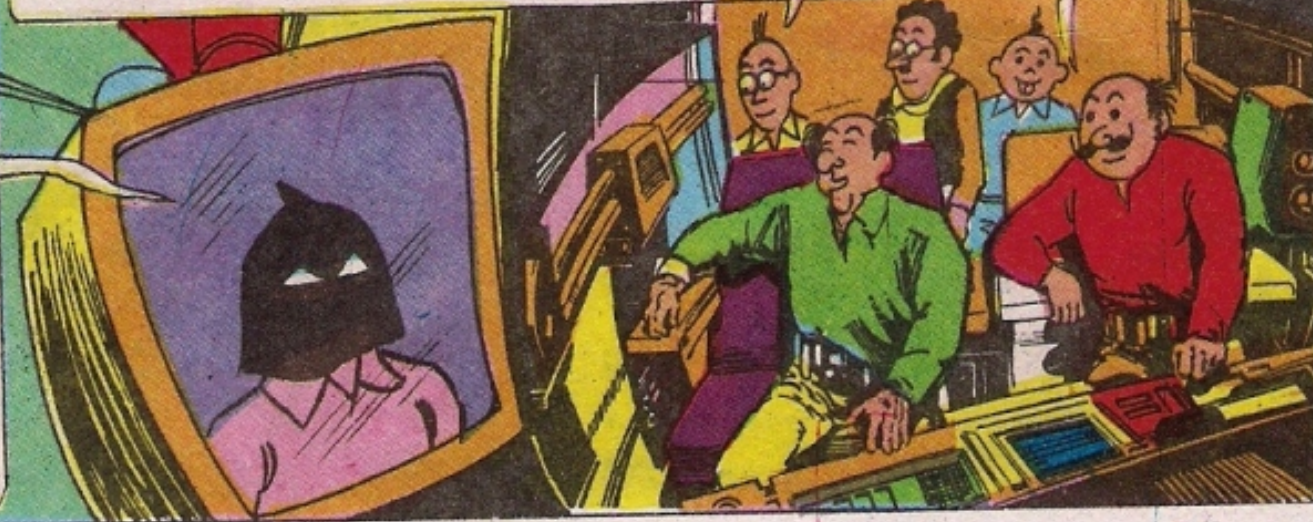
बड़ी जबरदस्त प्लानिंग है, कौन हो सकता है यह नकाबपोश ?

युप नम्बर तीन के प्रसारण कहा में....

हम न सही तुम तो उनमें मिल ही जाओगे, और उन के ही खानदान के लम्बोगे।

तुम सब अम्बिका ग्रह के किसी सुनसान इलाके में उतरकर वहां के निवासियों में मिल जाना और पता लगाना कि चाचा चौधरी को कहाँ पर कैद किया गया है।

अगर अम्बिका ग्रह के निवासियों की शक्तें बन्दर जैसी हुई तो?



डार्क राकेट को आर्विका ग्रह की नभ सेना का स्पन्देश मिला।

आ जाओ पृथ्वी के तुच्छ राकेट! हम जानते थे कि हमारे सम्राट गुलामी की योजना हमेशा सफल होती है, तुम यहां हमारे चक्रव्यूह में फंसकर मारे जाओगे।

हम चक्रव्यूह भेदन के लिए तैयार हैं! बताओ कहाँ है तुम्हारा चक्रव्यूह?

मोडू ने जैसे ही सात नम्बर का बटन दबाया, कन्ट्रोल कम की साठी स्कीने सक्रिय हो उठीं।

सबसे पहले हम धीरे जाएं!

महाबली शाका, तुम नियंत्रण सम्भालो, मैं अटैक करूंगा। नम्बर नं० 1 व 2 प्रयोगशाला में चलो। मोडू और डॉ० गिरीश डिफेंस सम्भालेंगे।

तुम्हारे चारों तरफ हमारे राकेट हैं, जो अदृश्य हैं, इसलिए तुम उनका निशाना भी नहीं ले सकते जब कि तुम हमारे निशाने पर हो।

मोडू, सात नम्बर का बटन दबाओ, इससे वह राडार सक्रिय हो जाएगा जो अदृश्य चीजों को भी देख सकता है।

बहुत अच्छा मि. फौलाद!

कन्ट्रोल कम-चाब हिस्सों में बंट गया।

सोफिया किरणों से राकेट को सुरक्षित कर लिया।

प्रयोगशाला से दस कंप्यूटर अन्तर्हित में जाओ।

डार्क पर अदृश्य राकेटों ने हमला किया अगर सोफिया किरणों के सुरक्षा कवच के कारण उनका प्रयास बेकार गया। दूसरी ओर से फौलाद ने हमला किया और महाबली शाका ने चक्रव्यूह तोड़ा। साथ ही नम्बर द्वारा प्रयोगशाला से भेजे गए कंप्यूटर बाहर निकल आए।

और ये दो
अखिरी राकेट
भी गए!

तुम्हारा एक भी निशाना नहीं
चूका, फौलाद!

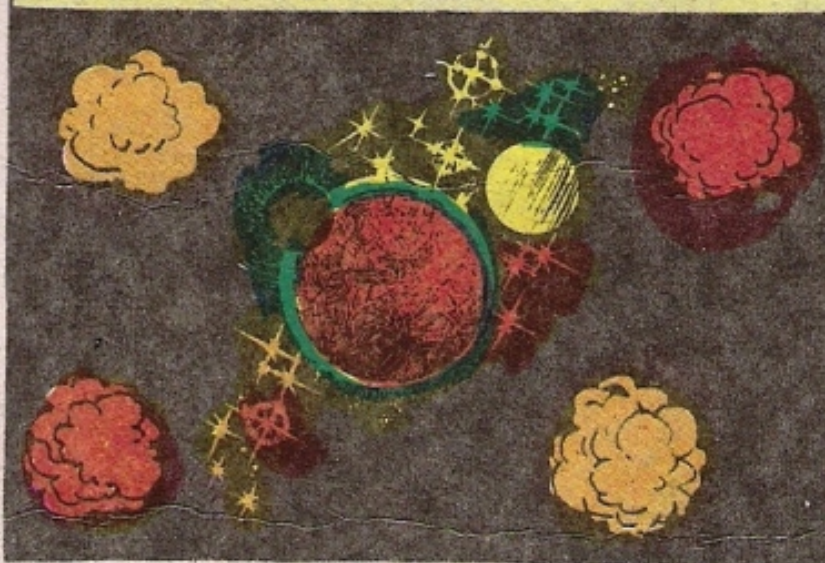


लम्बू, नम्बर एक व दो प्रयोगशाला में कम्प्यूटर ठीक
समय पर छोड़े, जब हमारा राकेट अम्बिका ग्रह पर
गण्डरा रहा होगा, यह कम्प्यूटर फट जायेगा और इसके
फटने से जो गैस निकलेगी वह अम्बिका ग्रह के
राजारों को अन्धा कर देगी।



इस प्रकार हमें
सौर ऊर्जा
केन्द्र खोजने
में आसानी
होगी।

निश्चित समय पर हमें कम्प्यूटर अम्बिका ग्रह की
परिधि में फट गए,



अम्बिका ग्रह की जल सेना के सभी नियंत्रण
कक्षों में एक हलचल पैदा हो गई,



नाउर अन्धे हो गए, सिर्फ धुन्ध नजर आ रही है। इसे
हवाभी बरना वह तबाह कर देंगे हमें।

जबकि डार्क
राकेट की सब
कुछ नजर आ
रहा था। उसके
खोजी कैमरे
धरातल पर
सौर ऊर्जा केन्द्र
खोज रहे थे।

मिल गयी वह विशाल
किलेनुमा इमारत, जहाँ सौर
ऊर्जा का इतना भण्डार है कि
यदि उसे नष्ट करने के लिए
किरणों से हमला करेंगे तो
यह पूरा ग्रह तबाह हो जाए।

ऐसा कर मत देना फौलाद! क्योंकि
फिर हमें चाचा चौधरी को बूढ़ने के
लिए स्वर्ग में जाकर ब्रह्मा, विष्णु,
महेश तीनों भगवानों से युद्ध
करना पड़ेगा।

हा...हा...
हा...हा...

इस बात की क्या गारन्ती
है कि चाचा चौधरी स्वर्ग
में ही मिलेंगे, हो सकता
है वह नर्क में जाएं और
उन्हें वापस प्राप्त करने
के लिए ब्रह्मा, विष्णु
महेश की बजाये

रावण कुम्भकरण और मेघनाद
जैसे राक्षसों से युद्ध करना पड़े



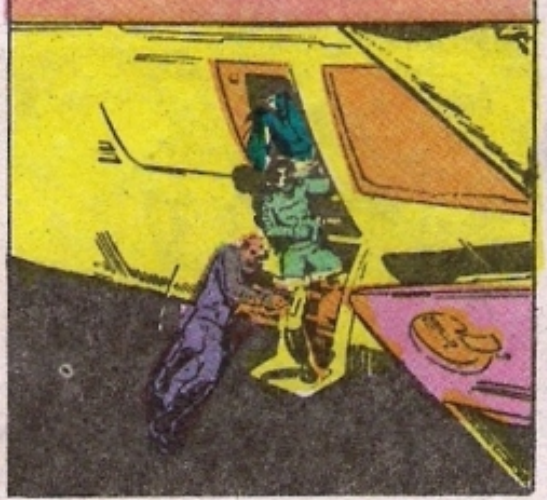
हमें अब धरातल पर उतरना है। महाबली शाका, डार्फ का नियन्त्रण अब कम्प्यूटर को सौंप दो। कम्प्यूटर का सम्बन्ध हमारे अस्तित्व से बना रहेगा।

हमारी और हाजिरी में डार्फ पर हमला हुआ तो ?

कम्प्यूटर अटैक भी कर सकता है और डिफेंस भी। इसकी ओर से हमें निश्चित हो जाना चाहिए।



डार्फ राकेट का कन्ट्रोल राकेट के कम्प्यूटरों के हवाले कर वे अन्तरिक्ष पोशाकों में बाहर आ गए।



सबके पास वैसी ही पोशाकें थीं जैसी फोलाह व उसके लम्बे साथी लम्बू के पास थीं।



ओढ़ परिन्हीं की तरह आकाश में उड़ना भी कितना आनन्ददायक है।

उस ऊर्जा केन्द्र में जहाँ सौर ऊर्जा के विशाल भण्डार थे, वहाँ से पूरे ग्रह में ऊर्जा वितरित होती थी।



महाबली शाका और इं. गिरीश आप दोनों पीछे रहेंगे, आगे मैं और जीव में लम्बू, ओढ़।

अच्छा फोलाह!

फिर सौर ऊर्जा केन्द्र के बाहर...



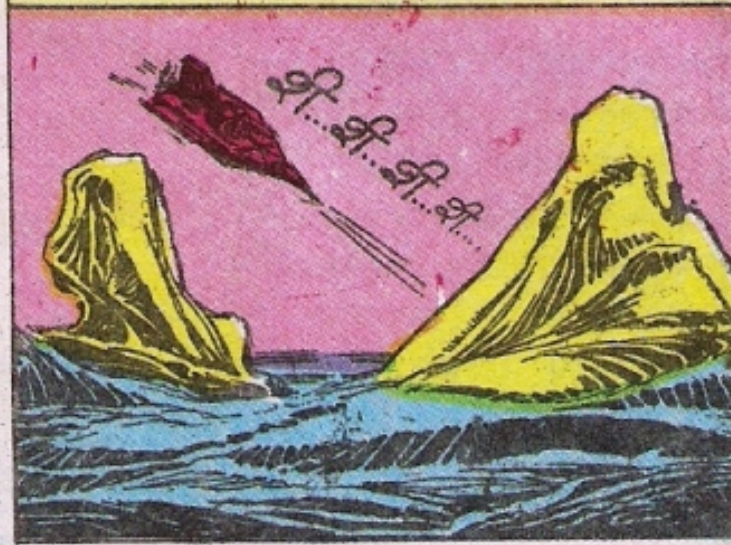
यहाँ के लिए हम तीनों काफी हैं। आप आगे जाइए।

बुध नक्षत्र हो का शकेट जिसे नकाबपोश ने हिम प्रदेश की बर्फ की पिघलाने का आदेश दिया था।

अब तप किशोरे सोड दे, हिम प्रदेश आ गया!



लिकीन शकेट ने तप किशोरे की वर्षा की...



बर्फ की मोटी-मोटी तहें पिघल कर पानी बनने लगीं नदियों में उफान आया और तबाही मच गई।

बान्ध टूट गया, यह नगर डूब जाएगा।



पानी का बहाव कल्पना से अधिक तेज था पुल टूट कर नगर लुप्त हो रहा...

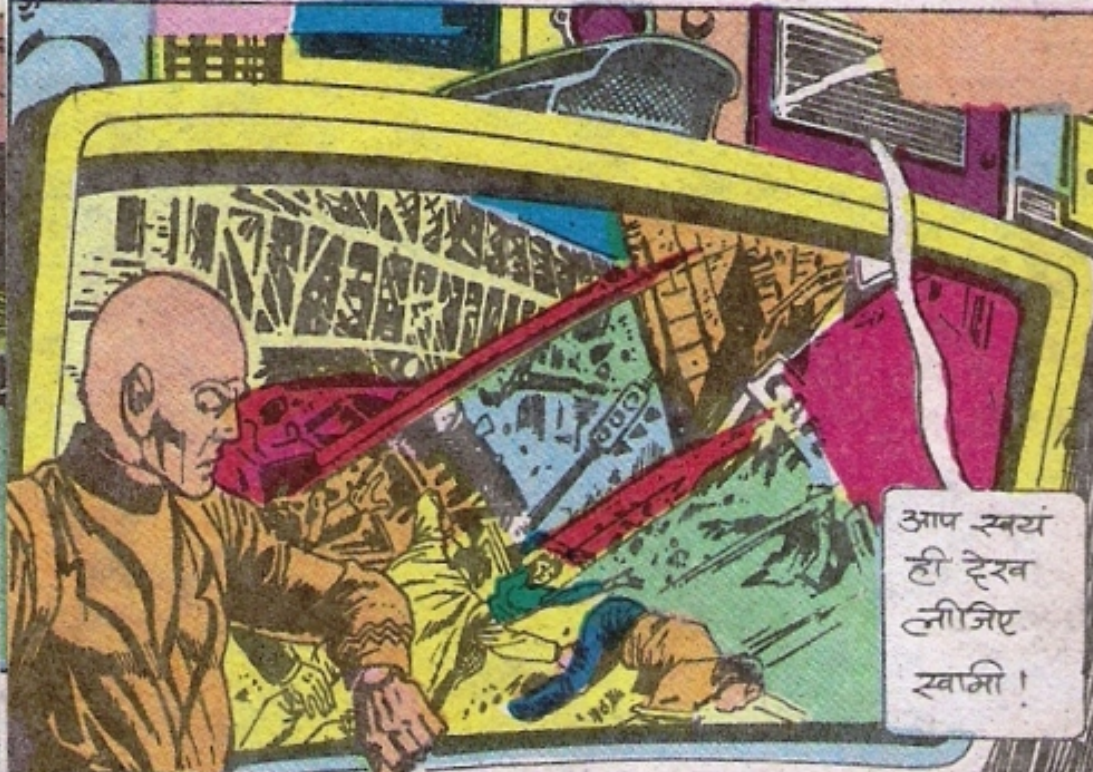


सम्राट मुलामी के दरबार में लगी स्क्रीन पर...

स्वामी, सभी नदियों का जल स्तर दस मीटर अधिक! न कोई पुल बचा न बांधा सड़क और रेलमार्ग भी बंद हो गए हैं। आसमान में भैंस फैली हुई हैं। जिससे विमान सेवा भी ठप्प हो गई है।



हमारी नभ सेना क्या हो रही है? हमारे शहर जो 50000 प्रकाश वर्ष की दूरी तक देख सकते हैं क्या इस धुंध ने उन्हें अन्धा कर दिया? जो विमान हर तरह के मौसम में उड़ान भर सकते थे क्या शरान हो गये? अगर कैसे?



आप स्वयं ही देख लीजिए स्वामी!

नभ सेना पंगु हो गई है। हमारे शक्ति जो अदृश्य हो सकते हैं दुश्मन के शक्ति उन्हें देखने में समर्थ हैं। हमारा प्रत्येक चक्रव्यूह तोड़ दिया है।



हमें रोबोट तथा कम्प्यूटर सेना के प्रयोग की आशा चाहिए।

रोबोट तथा कम्प्यूटर सेना भूगर्भ से निकली जा रही हैं। सैनिक तथा नागरिक उन्हें सहयोग दें।



आशा है!

नभ सेना के कमाण्डर ने कंट्रोल रूम से आदेश प्रसारित किया।



इधर गुप नम्बर तीन का ग्लोब राकेट एक खुले मैदान में उतरा...

अगर यहां मेंढक मिल गया तो मैं इसकी छींक का इलाज कर दूंगा।

जय बजरंग बली... धत तेरे की.. चंचे, इसकी नाक में जूता डाल. अपशकुन कर दिया।

आंधी...

वह मे...

और अपने होल सोल हिमाग का परिचय दिखाने के लिए मास्टर धासीटा राम वैज्ञानिक पोशाक में कबलब दिखाने लगा।

यह देखो ऊपर जाने का बटन!

दिवा

पोशाकें तो सबने पहन लीं लेकिन इनका इस्तेमाल करना भी आता है?

यह काम हिमाग वालों का है। और मेरे पास हिमाग होल सोल में है।

क्या कहा, तेरा हिमाग भेन होल में है?

और यह बटन हवा में तैरने का।

अरे अब नीचे आ जा। किसी पहिंदे ने देरब लिया तो चोंच में दबा लेगा।

मईवाह!



रोबोटों ने उनको पहचान लिया। वे मानस गन्ध पहचानते थे।

इसकी मानस गन्ध अलग है, यह हमारे ग्रह के नहीं हैं। यह पृथ्वीवासी हैं!



मेरी नाक पर खुजली हो रही है।

मेरे कितनी बार समझाया, मेरे तर्जुबे का फायदा उठाओ। अगर बच्चा का मुरब्बा नाक की खुजली की नाक समेत गायब कर देगा।



सावधान! रोबोट सेना की टुकड़ी आ रही है।

हिसा बुरी बात है। हम गांधी के देश के सभ्य नागरिक हैं। हमारा विश्वास अहिंसा में है। अर्रे... रे... नहीं जानते? तो ठीक है। तुम क्या समझते हो हम दुम दबाकर भाग नहीं सकते?



राजन इकबाल ने जैकेट के बटन दबा दिए।



देखा देरवी सबसे ऐसा ही किया और नजारा कुछ ऐसा बना कि...



सामने एक इमारत थी...



हमने कहा था कि हिंसा बुरी चीज है!

नहीं माने! अब नर्क में जाओ!

वैज्ञानिक पोशाकों की वजह से उन्हें चोटें भी नहीं लग रही थी। और गतिभी राकेट के समान थी, वे एक के बाद एक दीवारें तोड़ते जा रहे थे।



जो हमसे टकराएगा....

खलवा बन जाएगा।



अरे सब रुक जाओ!

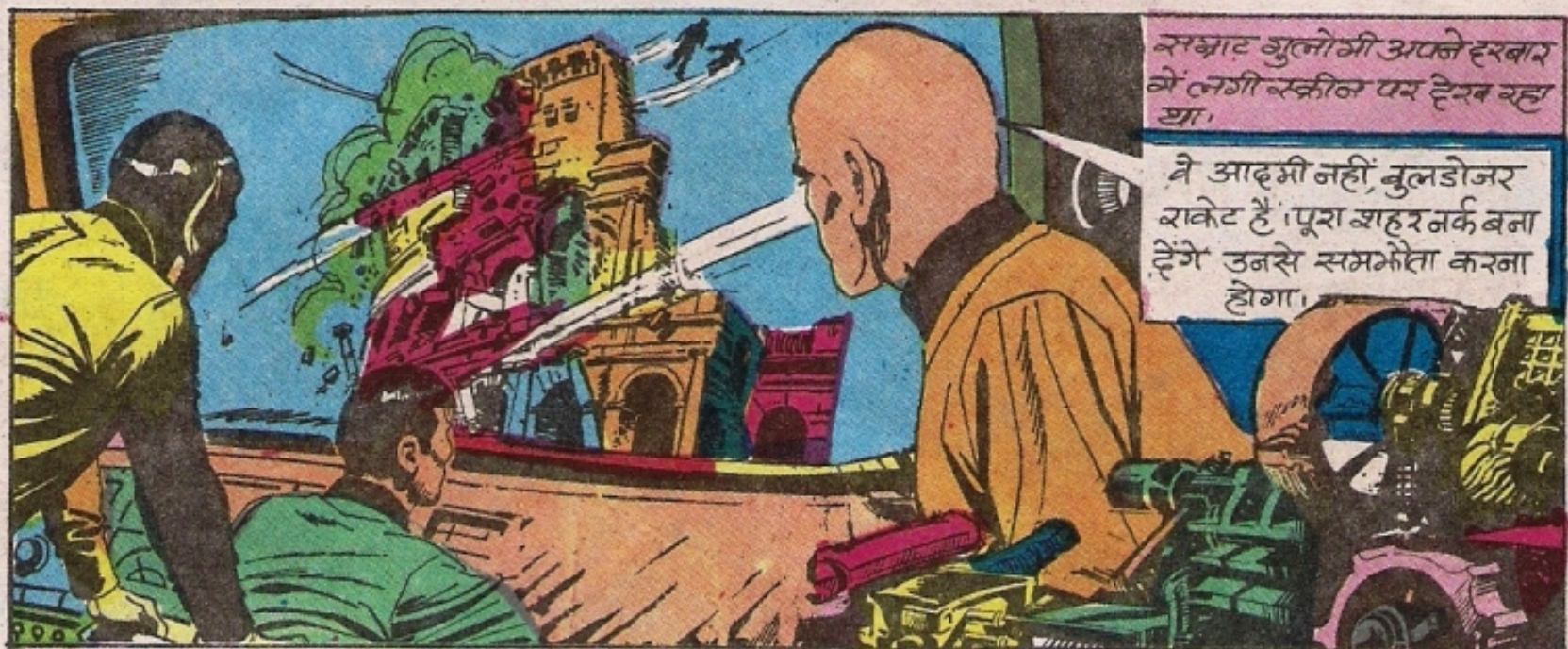
कभी नहीं हम सिर पर कफन का बाप थानी

ताबूत रख कर निकले हैं।



बहादुर रुकते नहीं, बढ़ते ही जाते हैं।

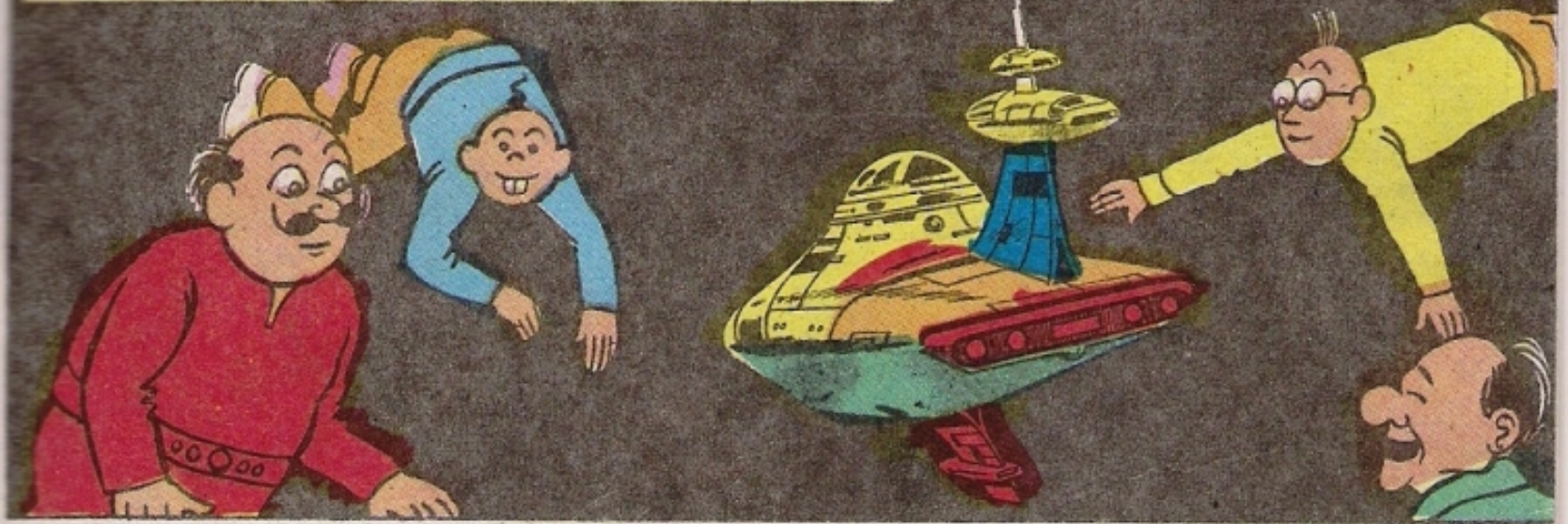
सच तो यह है कि रुकने वाला बदन ही नहीं मिल रहा है।



सच्चाद बुल्लोमी अपने दरबार में लगी बक्कील पर देख रहा था।

वे आदमी नहीं, बुलडोजर राकेट हैं। पूरा शहर नर्क बना देंगे उनसे सम्भोता करना होगा।

राजमहल से एक कम्प्यूटर भौद, पतलू गुप से
समझौता करने चला।



ठहरो! सम्राट गुलोमी
तुमसे समझौता करेंगे!



अरे अब तो
रुक जाओ!

आज ने उनका साथ दिया और उनसे वही बटन
दबे जिससे हवा में रुका जाता था-



सम्राट समझौता करेंगे!

अरे तो यूँ कहो कि
हार मान ली
तुम्हारे चूहे ने!

हा... हा... हा... हम जीत गए!

आओ मेरे पीछे!

चलो आखिर हमने सिद्ध कर ही दिया
कि हम पृथ्वी के पहले व आखिरी
बुद्धिमान व बहादुर व्यक्ति हैं।

बड़ी खुशी की बात है, आज
हमारे बीच मास्टर छसीटा
राम नहीं है।



इधर कोलाह एवं उसके सहयोगी सौर ऊर्जा केन्द्र के आगे हिस्से पर कब्जा कर चुके थे।

सावधान! अंगले मोड़ पर सैनिक हैं!



महाबली शाका उड़ल कर आगे आया और...



लेकिन जैसे ही वे सैक्टर नं० दस के मैदान में आए...

रुक जाओ! वरना कोमा किरणों की यह तोप तुम्हारी धाजिया उड़ा देगी।

यह ठीक कह रहे हैं... कोमा किरणों से हमारी पोशाकें बचाव नहीं कर सकतीं।

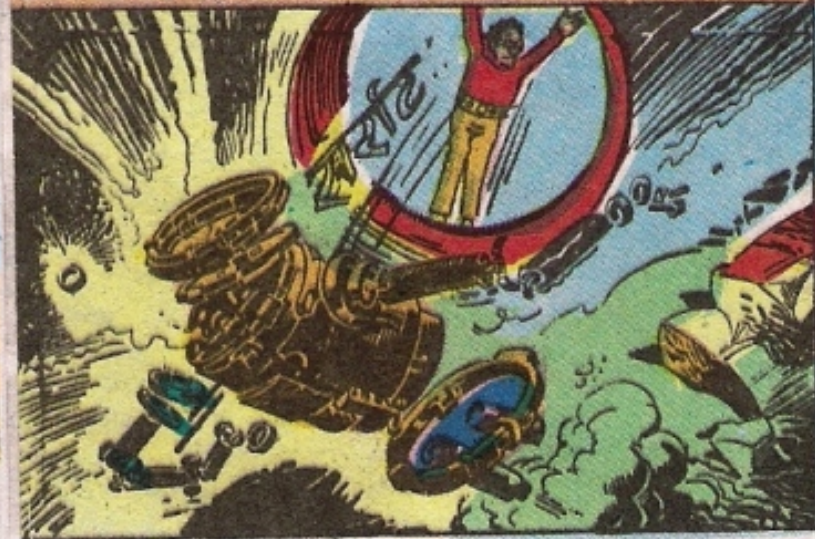
आत्म समर्पण का मतलब भी मौत है और तोप से टकराना भी मौत है। जब मौत ही हमारी किस्मत में है तो हम लड़कर मरेंगे।

ऐसी भी यही राय है।

हमारी भी



अब तभी एक चमत्कार को जन्म देता हुआ मास्टर घासीदा राम जमीन फाड़ कर ठीक तोप के नीचे से निकलता।

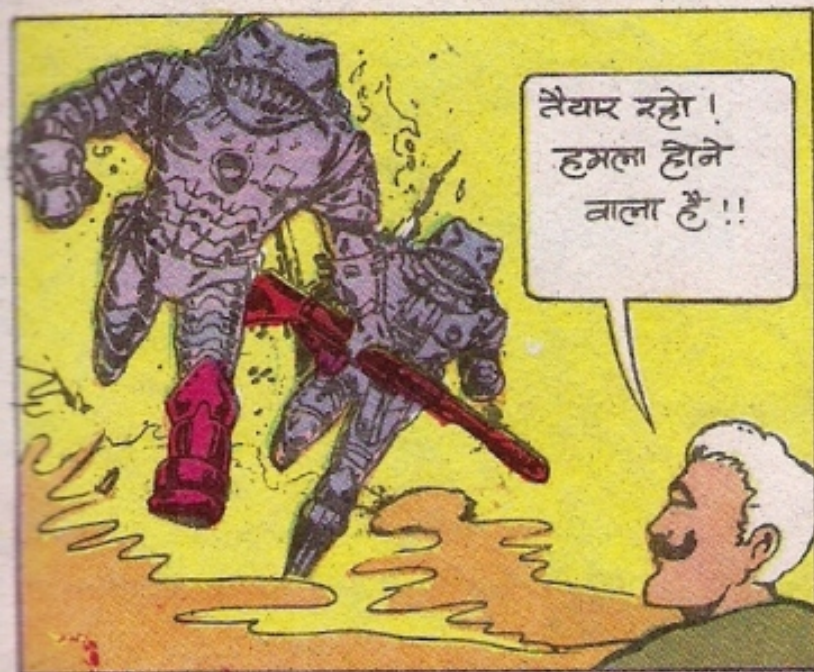


और वह तो मास्टर घासीदा राम हैं!

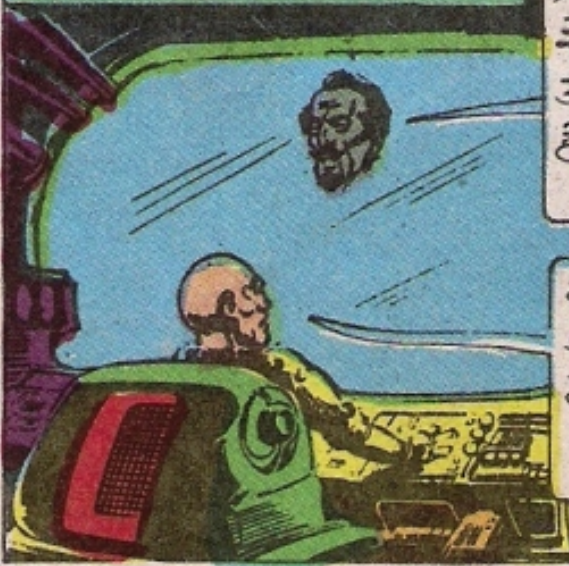
अगर वह रुका क्यों नहीं!?

नेकी के फरिश्ते रुकते नहीं! काम करते चले जाते हैं।





सम्राट गुलामी के दरबार में सूचना पहुंची।



स्वामी, पृथ्वीवासियों ने सौर ऊर्जा को प्रभावहीन कर दिया है। सप्लाई रुकने से सब मशीनें एक घण्टे बाद बेकार हो जाएंगी। कम्प्यूटर और रीनोट बेकार हो जाएंगे। सौर ऊर्जा केन्द्र पर पृथ्वीवासियों का अधिकार है।

कोई ऐसी शक्ति भी है तुम्हारे पास जो हमारा दिल खुश कर सके। हमने अपने ग्रह के सर्वनाश के लिए यह योजना नहीं बनाई थी।

नभ सेना के भूमिगत ऊर्जा केन्द्रों में इतनी ऊर्जा अभी है कि नभ सेना के शक्ति एक महीने तक युद्ध कर सकते हैं। आज्ञा हो तो युद्ध की घोषणा कर दी जाए ?



हमारे ग्रह की परिधि पर चार शक्ति घूम रहे हैं। इनमें से एक ग्लोब शक्ति मैदान में उतरा था, अब वह भी आकाश में है इनमें कोई मनुष्य नहीं है फिर भी जब भी हमने इन्हें धरना चाहा वे निकल भागे। वे बचाव भी करते हैं व हमला भी।



ओ आज्ञा, स्वामी !



मैं राबाल है इन शक्तियों में पृथ्वी के मनुष्य आए हैं जो चाचा चौधरी को दूँद रहे हैं। चाचा चौधरी के मिलने पर वे हमारे ग्रह को नष्ट करके अपने शक्तियों में सवार होकर चले जाएंगे। क्यों न इससे पहले ही तुम पृथ्वी को नष्ट कर दो ? अपने एक हजार स्वचालित शक्ति पृथ्वी की ओर खाना कर दो !

कम्प्यूटर स्क्रीन से हट गया और एक नया दृश्य नजर आया



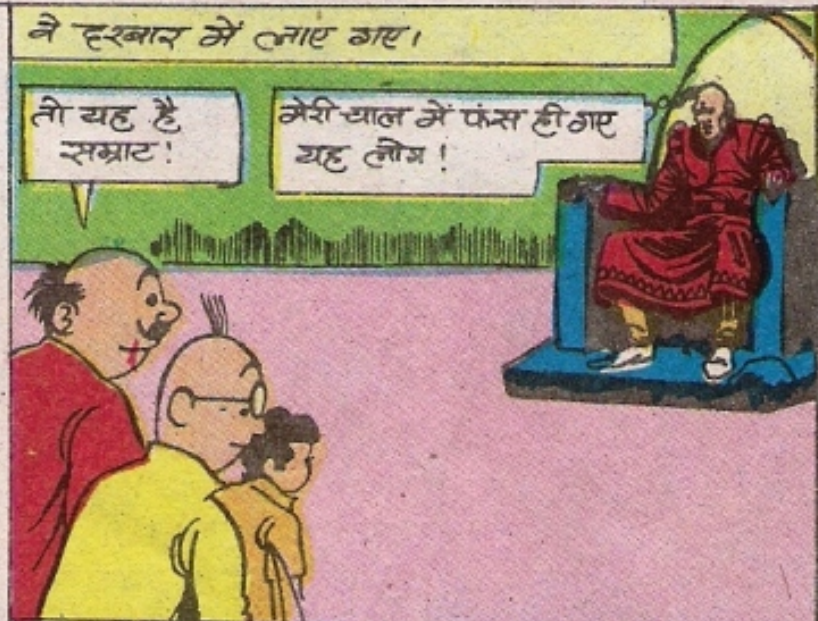
स्वामी, मैं इन्हें ले आया हूँ !

इन्हें दरबार में ले आओ !

वे दरबार में लाए गए।

तो यह है सम्राट !

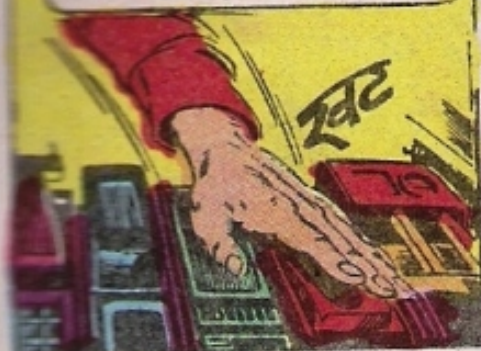
मेशी चाल में फंस ही गए यह लोग !



आखिर इसे हमारा लोहा मानना ही पड़ा।

राजकुमारी ने अपने सिंहासन के हथियारों से जहाज बटन दबाया...

आज दुम ऐसे जर्क में पहुंच
जैसे, जहां से हवा भी ऐसी
अज्ञ के बिना बाहर नहीं
निकल सकती!



और बटन के दबते ही...



ओह! हम कहां
जा रहे हैं?

अरे
बचाओ!

हम तो
पहले ही
दुखी थे।

वे सभी
जहाज में
झिंटे जा
रहे थे।

हम कहां जा रहे हैं?

पाताल में, राजकुमारी अंदकी ने बुलाया
है।



मैं एक एक को देख लूंगा।

पहले यह तो बताओ
अब क्या दिख रहा है!

तीनों लोक!



तभी वहां एक्स किरणों की वर्षा शुरू हुई!

आह! मास्तिष्क
सुन्न पड़ने लगा।

अबे पतिले, अरे सिर में
सितार बजने लगे।

हो... धुन तो
मैं भी सुन
रहा हूँ।



उनके मास्तिष्क सुन्न हीते
ही वहां रोबोट आए...



इनकी पोशाकें उतार लो,
और ब्लैक होल में चाचा
औधरी के पास ले जाओ!

ग्रुप नं० दो, जिसे हिम प्रदेश को ताप किरणों से गर्माने का आदेश मिला था, वह अपना काम पूरा कर चुके थे।

तो हम नकाबपोश की बात कर रहे थे, वह आ ही गया!

उसी की तस्वीर है!

वह नकाबपोश ही था

अम्बिका ग्रह का जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। हर तरफ दहशत है, लेकिन ग्रुप नं० तीन सम्राट गुलोमी की कैद में पहुंच गया है।

तुम अपने राकेट को छोड़ दो, और वैज्ञानिक पोशाक पहन कर महल पर धावा बोल दो, मैं तुम्हारी मदद के लिए आस पास ही रहूंगा

ठीक है, हम तैयार होते हैं।

ग्रुप नम्बर एक की पोजीशन क्या है, चीफ ?

ग्रुप नम्बर एक ने सौर ऊर्जा प्रणाली ठप्प कर दी है और सुरक्षित है।

कुछ ही देर बाद उन्होंने राकेट छोड़ दिया। अब राकेट का संचालन राकेट में लगे कम्प्यूटर ही कर रहे थे।

सम्राट मुन्नेजी ने अपने दरबार में सीधा प्रसारण कर लिया था।

पृथ्वी के मानवों का तीसरा दल ! यह तो महल की ओर ही आ रहा है ! कमाण्डर को आदेश दूँ। अब इनका मुकाबला राकेट करेंगे !



नभ सेना के कन्ट्रोल कम में.....

कमाण्डर, पृथ्वीमानवों का तीसरा दल महल की ओर अग्रसर है, राकेट भेजो !

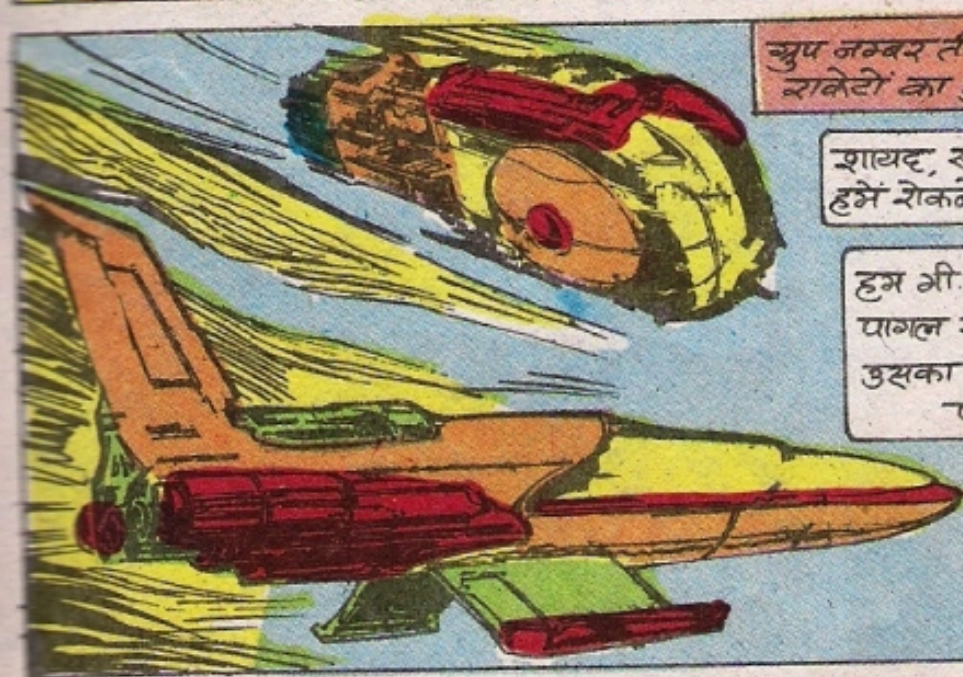


राकेट ! ज... जी... मैं भेजता हूँ !

ग्रुप नम्बर तीन को अब नभ सेना के विध्वंसक राकेटों का मुकाबला करना था।

शायद, सम्राट पागल हो गया है... उसने हमें रोकने के लिए राकेट भेजे हैं।

हम भी दिखा देंगे उस पागल सम्राट को कि उसका पाला किनसे पड़ा है !?



ठीक !

आने वाले राकेटों पर पीछे से हमला हुआ।



हमारी पोशाकों में इतनी क्षमता है कि हम आबिका ग्रह की नभ सेना आखिरी राकेट को भी तबाह कर सकते हैं।

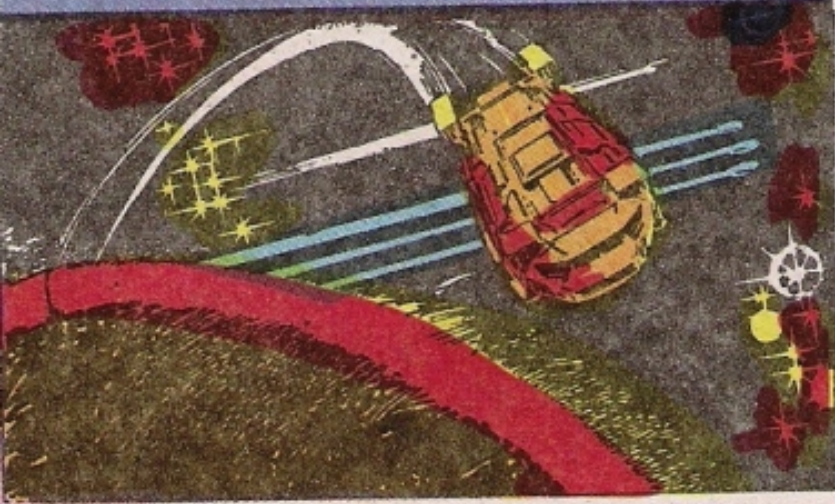
सम्राट उत्तेजित हो उठा, कमाण्डर ! सौदा राकेट भेजो !

जो आज्ञा स्वामी !



अगर वह भी तबाह हो गया तो हमारे पास अपनी जान के अलावा कुछ भी न बचेगा।

और फिर... वह चुम्बकीय राकेट, जो पृथ्वी से चाचा-मोक्षरी और साबू का अपहरण करके लाया था, जिसे नभ सेना का हिल कहा जाता था, खतना हुआ।



हे भगवान! क्या अब भी इस बात में संदेह है कि सम्राट पागल हो गया है?



अगर अभी... अकाब्रिश का हन्टर राकेट आ पहुंचा।

तुम लोग यहां से दूर चले जाओ, और अपने तिकीन राकेट से आनखिक सम्पर्क जोड़ो।



क्या आप इसका मुकाबला कर लेंगे?

नहीं! पर तुम एक पल भी मत गंवाओ! चले जाओ!



आ जाओ, अम्बिका ग्रह के शेर, तुम्हारा मुकाबला पृथ्वी के मानव से है।



सौरोंवें राकेट का कन्ट्रोल कम...

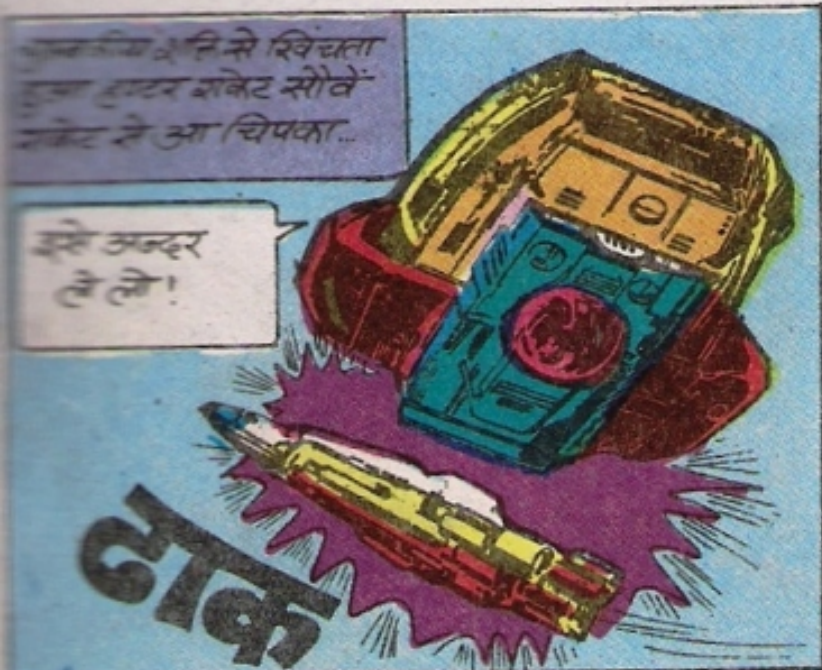
पृथ्वी के आनखों की टोली तो भाग रही है! यह चूहा राकेट मुकाबले में आ रहा है।



सौरोंवें राकेट ने चुम्बकीय शक्ति छोड़ी।



मैं जानता था यही होगा। मेरा राकेट इस चुम्बकीय शक्ति से बंध गया है, लेकिन यह मेरी पराजय नहीं, विजय है।



जबकि इससे खिंचता हुआ हण्डर राकेट सौवें राकेट से आ चिपका...

इसे अन्दर ले लो!



यह भगोड़े भी अभी रेंज में हैं रवीच लो इन्हें!

अभी लीजिए, श्रीमान!



जबकि के आदेश पर वापस जाता गुप नम्बर तीन।

रफ्तार तेज करो!

कोई फर्क नहीं!

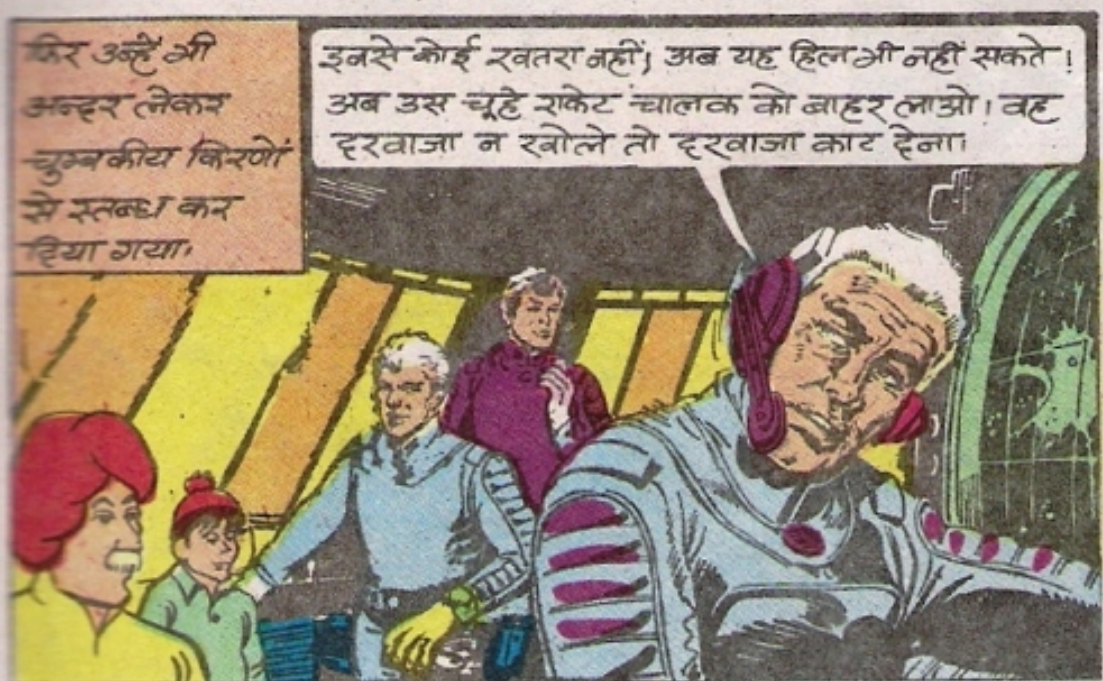
हम बेबस हैं अब?!

अरे-चुम्बकीय शक्ति!

वह हमें खींच रहे हैं।



और वह सब सौवें राकेट के पेट से आ चिपके। हण्डर राकेट भी अन्दर खींचा जा चुका था।



किर उन्हें भी अन्दर लेकर चुम्बकीय किरणों से स्थिर कर दिया गया।

इन्से कोई रवतार नहीं, अब यह हिल भी नहीं सकते! अब उस चूहे राकेट चालक को बाहर लाओ। वह दरवाजा न खोले तो दरवाजा काट देना।



हण्डर राकेट का दरवाजा उसे खुला मिला और...

आँय! सैनिक मर चुके हैं। दरवाजा खुला हुआ है इसका मतलब?

श्रीमान, उस राकेट के दरवाजे पर हमारे दो सैनिकों के शव पड़े हैं। वह भाग गया।



भाग गया ? आश्चर्य ?! अगर इस राकेट से बाहर जाएगा कहां ? उसे देखो, मैं कैमरे चलू करता हूँ।

और राकेट के अन्दर खोजा शुरू हुई...



ब्लॉक नं. एक में नहीं, दो में भी नहीं, तीन में देखो!

ब्लॉक नम्बर तीन में भी नहीं, चार में देखो!

वह यहां है, श्रीमान!



कड़क

आह!

तुम इसी तरह बैठे रहो मुर्दे! लुढ़कना मत। क्योंकि तुम्हारे पीछे से मैं बोलूंगा और जब मुख्य कन्ट्रोल रूम से सम्पर्क होगा तो वहां तुम्हारी ही तस्वीर नजर आएगी, क्योंकि कैमरे तुम्हारे सामने हैं।



तभी राकेट के कमाण्डर ने सम्पर्क जोड़ा.

आपरेटर, वह मिला या नहीं ?

जी नहीं!



तो क्या उसे दीवारें खा गईं! तलाश करो, उसे!

तब जरी है, चीक ! ब्लाक नम्बर छः अभी देखा नहीं गया।

लेकिन ध्यान से देखना। सौर ऊर्जा के टैंकों को नुकसान न हो!



सम्पर्क नष्ट होते ही कैमरा बन्द हो गया और....

ब्लाक नम्बर छः में सब सैनिकों को ठिकाने लगाया जा सकता है। वहां सौर ऊर्जा का स्टाक है।

ब्लाक नम्बर छः में देखो। सब ब्लाक नम्बर छः में चलो !!



ब्लाक नम्बर छः में....

अरे दरवाजा क्यों बन्द हो गया?

खट

शायद वह देख लिया गया होगा। अब भाग न जाये इसलिए दरवाजा बन्द कर लिया होगा।



एक के बाद एक सारे दरवाजे बन्द हो गये और.....

स...स...सौर ऊर्जा ! बचाओ !!



कुछ ही पलों में ब्लाक नम्बर छः नर्क बन गया।



नकाबपोश ने मुख्य कन्ट्रोल रूम में सूचना दी। अप्सर समक वहा था आपरेटर बील वहा है।

सर, ब्लाक नम्बर छः को शक्रेट से अलग करना होगा, वहां पृथ्वी मानव देख लिया गया था। उसने सौर ऊर्जा के टैंक नष्ट कर दिए और सैनिक मारे गए।



तुम सिर ऊपर ठाओ! क्या गरदन टूट गई है, तुम्हारी ?



नहीं सर, गरदन टूटी नहीं है, चोट लग गई है। सिर ऊपर उठाने से दर्द होता है।

उसे शक हो गया है, अब खेल ज्यादा देर तक नहीं चलेगा। मुझे खिसक जाना चाहिए। अब सम्बन्ध विच्छेद कर दूँ।



इधर अक्सर सोच रहा था, वह इन्टरनल कन्ट्रोल रूम की ओर चल पड़ा।



कुछ गड़बड़ है, वह लाश की तरह लग रहा था। सारी बातें साफ हो जाएंगी अगर वह लाश के रूप में हुआ, वहाँ पृथ्वीमानव पहुँचा होगा, उसने उसे खत्म करके ब्लाक नम्बर ६ को नष्ट किया और शायद उसकी कुर्सी के पीछे से बेलता रहा होगा। अगर यह सब बातें सच हुई तो ?!!!

और नकाबपोश कमाण्डर की प्रतीक्षा में था।

आपरेटर का मुका हुआ सिर उसे चैन से नहीं बैठने देगा, वह देखने आ रहा होगा... अ... शायद आ रहा है... दबे पाँव, शायद उसे यह भी पता लग गया हो कि यहाँ मैं उसकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ।



और जैसे ही वह पीछे से बिकरना....

यह कशटे तुम्हारी गरदन की हड्डी तोड़ने के लिए पर्याप्त है, डियर कमाण्डर !

आह...



कन्ट्रोल रूम में आठ सैनिक हैं। वह इस गन का शिकार बनेंगे !



पर मुख्य कन्ट्रोल कम में....

क्या तुम उससे मिलना चाहते हो जिसने इस राकेट पर अधिकार कर लिया है ?

तुम ?

?

मैं-चाहूँ तो बिना फायर के तुम सबको वहाँ पहुँचा दूँ जहाँ बाकी सब लोग जा-चुके हैं। लेकिन मेरी इच्छा है कि तुम जीवित रहो और मेरे आदेशों का पालन करो !

हम लेंगारे हैं। शायद हमारा सम्राट ही पामल हो गया है जो पृथ्वी की ओर अपने हाथ फैला दिए। हम उसके किये की सजा क्यों भुगतें ? अगर तुम वादा करो कि न हमारे ग्रह को नष्ट करोगे और न हमें !

मैं वायदा करता हूँ !

यहाँ फायर मत करना ! वरना यह राकेट तबाह हो जाएगा !

मेरा पहला आदेश है इन्हें मुक्त कराओ और यहाँ बुलानाओ !

अभी जीजिए !

अहा ! हम युद्धकीय किशनों से मुक्त हो गए !

कन्ट्रोल कम में चलो ! मुझे नकाबपोश की करामात नजर आती है, सरि !

वे सब कन्ट्रोल रूम में पहुंचे और नकाबपोश को देखकर साश भाजरा समझ गए!

तो यह आपका करिश्मा था, श्रीमान?

करिश्मा तो अब हम सब मिलकर दिखाएंगे। सम्राट गुलामी बोलना गया है। हमें साबित करना है कि वह जीत की तरफ अग्रसर है!

वह कैसे?

सब करो अतिथि!

नकाबपोश उन्हें बताते लगा।

आधिका ग्रह की नभ सेना का यह सौदा शकेट अब हमारे अधिकार में है। अगर इस बात को बाहर का कोई व्यक्ति नहीं जानता, जिस शकेट में मैं स्वयं आया था वह भी इसके अन्दर है। इसी तरह डार्क, तिकोन और ग्लोब शकेट भी चुम्बकीय शक्ति से स्वीच किए जाएंगे। मुण्डम्बर एक जो शौर अर्जा केन्द्र में है, उसे भी गिरफ्तार कर लेंगे। यह सब.....

...दिखावा होगा, ताकि सम्राट गुलामी धोखे में आ जाए।

अन्तरिक्ष में घूम रहे थे, घृष्णी के डार्क, तिकोन और ग्लोब शकेट-

योजनानुसार सौदे शकेट ने उन्हें चुम्बकीय शक्ति से स्वीचिंगा शुरू कर दिया।

और तीनों शकेटों को सौदे शकेट के अन्दर स्वीच लिया गया।

जैसा कि वेन्डू ने कोलाह और उसके साथियों को नकाबपोश का भ्रमपूर्ण संदेश मिला।



नकाबपोश का संदेश!

सैबो-शकेट तुम्हारे ऊपर आ-चुका है, तुम उस पर हमला करो! यह तुम्हें चुम्बकीय शक्ति से रबी-चेगा, तैयार रहो!

नकाबपोश के आदेशानुसार -



हमला करना है...

लेकिन मुकसान नहीं! क्यों कि उसमें नकाबपोश है!

सैबो-शकेट ने चुम्बकीय शक्ति छोड़ी।



अब हम नकाबपोश से मिलने जा रहे हैं।

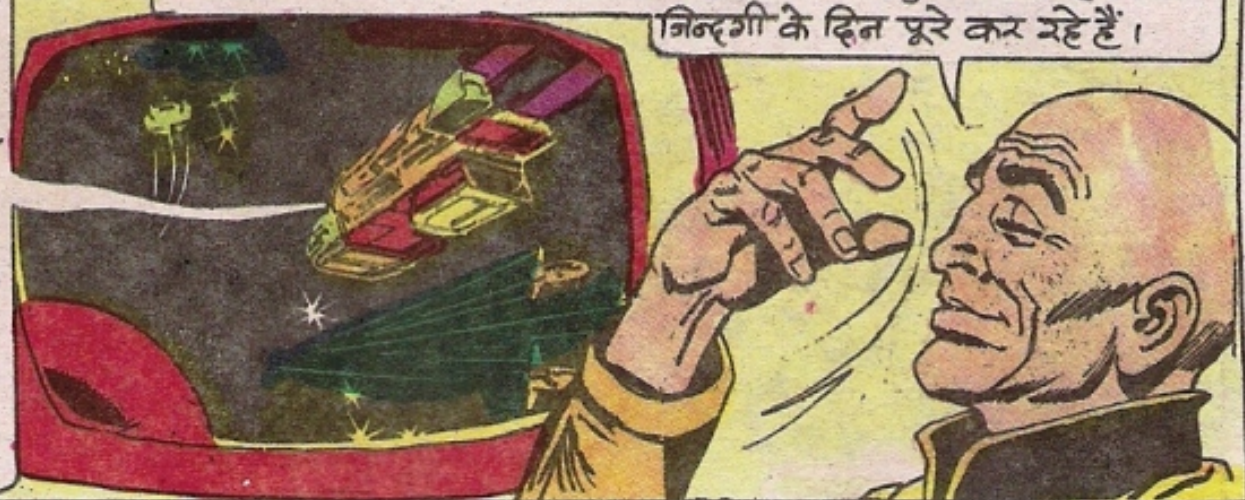
फिर उन्हें दरवाजे से अन्दर ले लिया गया।



स्वागत गुलामों के दरबार में...

स्वामी, सैबो-शकेट में इस समय पृथ्वी के चारों शकेट और बारह कैदी हैं। इनका सरगना जो एक नकाबपोश था, वह मारा गया, लेकिन हमारा ब्लॉक नम्बर छः लुप्त हो गया। इसीलिए हम अधिक समय तक अन्तरिक्ष में नहीं रह सकते!

शाबाश कमाण्डर! आज से तुम्हें सेनापति बनाया जाता है। अब पृथ्वी के मनुष्यों के शव अन्तरिक्ष में छोड़ कर अपने स्थान पर लौट आओ! हम यह युद्ध जीत चुके हैं, क्यों कि पृथ्वी के बाकी मनुष्य ब्लॉक हेल्म में जिनगी के दिन पूरे कर रहे हैं।



सम्राट गुलामी ने तत्काल महल के रक्षक दल के चीफ को याद किया।

ब्लैक होल जाओ, और सब कैदियों को मृत्युलोक भेज दो।

मैं उपस्थित हूँ, स्वामी!

जो आशा, स्वामी!



सोबेन शकेट वाले भी यही सोच रहे थे।

महाबली शाका तुम महल में जाओ! सम्राट गुलामी एक और मूर्खता करने की सोच रहा होगा।

अँ तैयार हूँ, चीफ!



महाबली शाका जल्दी में था वह महल में पहुंचा तो...

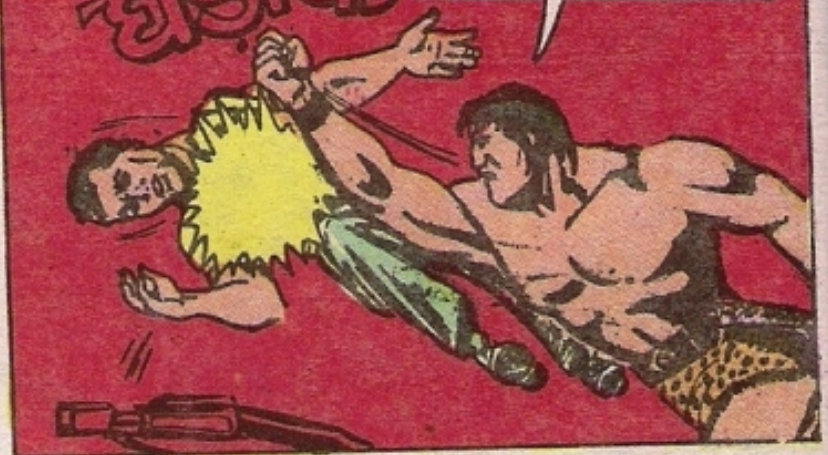
ए...! क...कौन!? रोबोट, अपनी संख्या नोलो!

यह रोबोट नहीं लगता।



ऐसी संख्या यह है! याद रखना!!

छाडाक



हो तुम भी ऐसा नाम याद कर मृत्युलोक पहुंच जाओ!

आह...



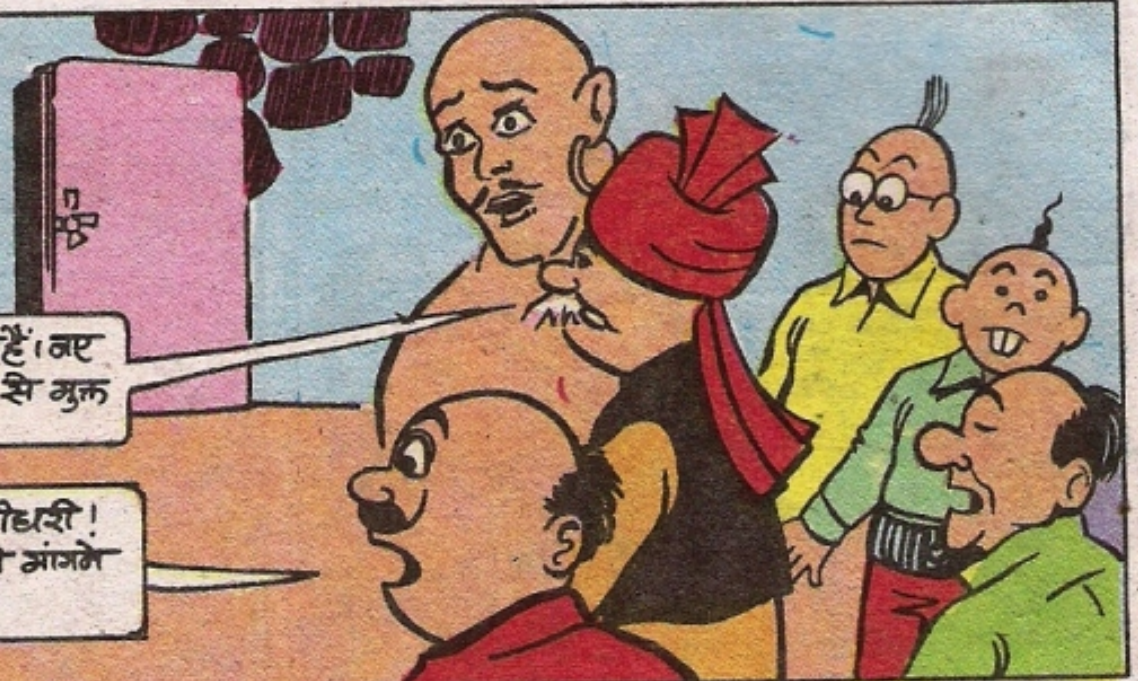
शायद यही पर वे लोग कैद हैं मुझे अन्दर जाकर देखना पड़ेगा।



लेकिन वे जहाँ कहीं थे, वह
 अपने बेटों के सम्मानों से
 हिल भी नहीं सकते थे।
 अपने साथ ही चाचा
 चौधरी और साबू भी थे।

इसका खुल रहा है। वे आ रहे हैं। नए
 कपड़ों को लेकर या हमें इन कपड़ों से मुक्त
 करने के लिए?

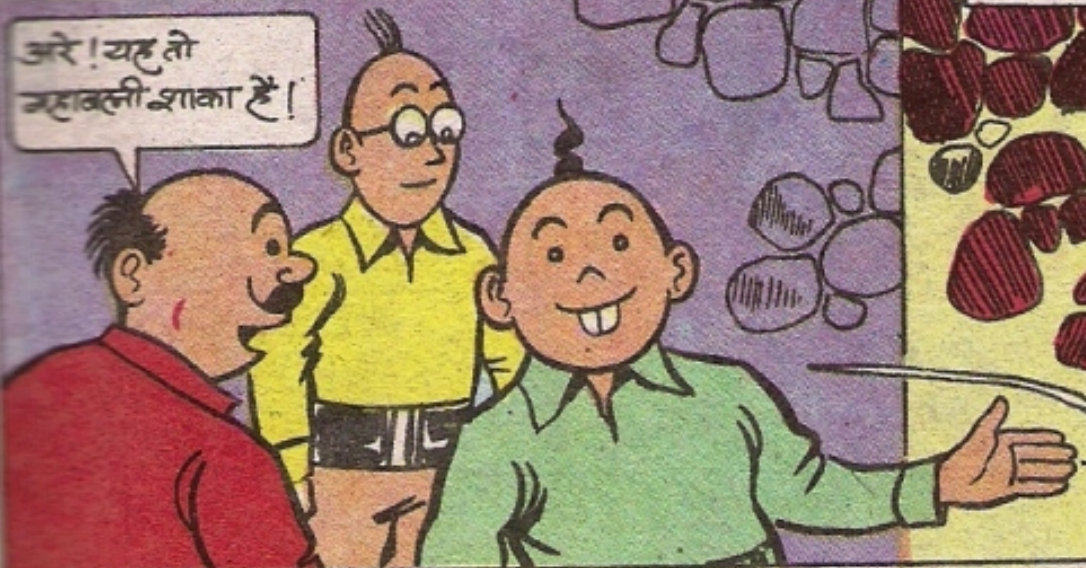
अब इस बातें मत करो, चाचा-चौधरी!
 मेरा खयाल है वे हमसे भाफी भांजने
 आ रहे हैं।



जब महाबली झाका अन्दर आया।

अरे! यह तो
 महाबली झाका हैं!

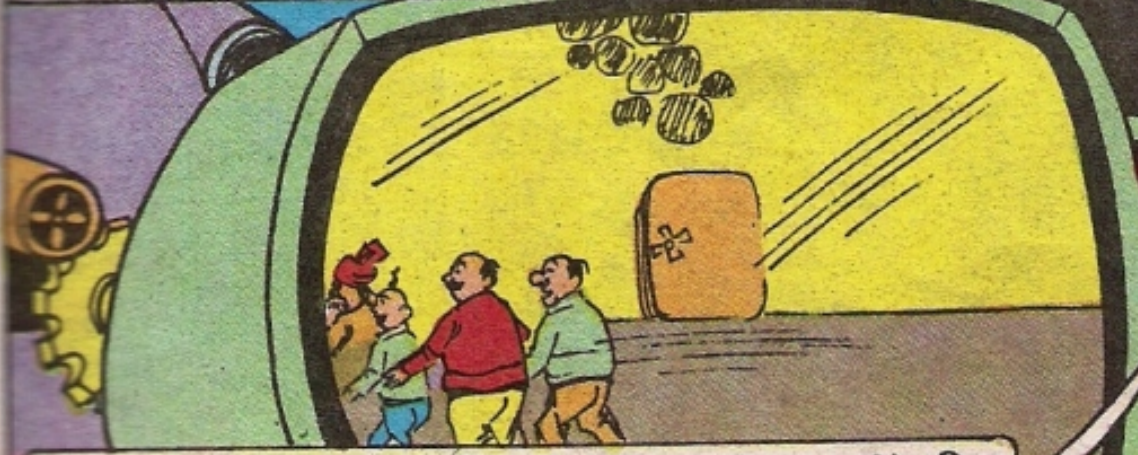
यहाँ से जल्दी निकल-चलो, रास्ता साफ है!



इसका मतलब है, हमारे साथियों ने
 सम्राट गुलामी के दरबार में भी
 धावा बोल दिया।



दरबार में सम्राट को पता चलना-



वह भाग गए! एक पृथ्वीवासी उन्हें कुड़ा ले गया। ब्लैकहोल
 बंद हो गया, मैं तबाह हो गया! सोवें शकेट को आदेश दूँ!



उधर सौवें शकेट के कंट्रोल कम में घसीटा नाम को

देखा गया-

वह इतनी ऊँचाई पर है
कि बिना आक्सीजन के
वह मर जाएगा! रवीचं
लो उसे!

फिर सौवें शकेट की चुम्बकीय शक्ति से घसीटा
नाम की दिशा बदली गई और...

हे भगवान, अब तो शक
ले मुझे यहीं। कहीं मैं
इसे फाड़ के भी बाहर
न निकल पाऊँ!

अन्ध्र आते ही नकाबपोश ने सर्व प्रथम घसीटा नाम की पोशाक का बटन दबाया

घसीटा नाम तुम्हें गलती
से टैक्स स्टाप स्विच
दबा दिया था। इसके
दबाये के बाद जो भी
बटन दबाया जाता है
उसका कार्य पन्द्रह
मिनट तक होता रहता
है। इसी लिए तुम ऊपर
नीचे आते जाते रहे
व बटन दबाते रहे!

और अब हम जा
रहे हैं सम्राट मुल्की
के महल पर!

सौवें शकेट महल के
सामने उतरा।

कोल्हादी सिंह
तेजी से बाहर
निकला....

सम्राट के प्रत्येक सैनिक को जड़ कर दिया गया
सबका विरोध से, ताकि कोई कोलाहल का नास्ता
न हो सके।



सम्राट उसे देख कर चौंखला गया।



त... तुम पृथ्वी वासी !
जीवित हो !!

मैं ही नहीं सब पृथ्वीवासी जीवित हैं। श्रोत सिर्फ
तुम्हारे दिसे में है।

चलो! अब कुछ लोगों से परिचय
कर लो।

मैं तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी सहित
तबाह कर दूंगा।



इसीलिए तुम्हें हम पृथ्वी पर ले जाकर चिड़ियाघर
में रखेंगे। एक पिंजरा तुम्हारे लिए खाली कर
दिया गया है।



कोलाही सिंह सम्राट को पकड़ कर ले गया और
सोचा शकट पृथ्वी के मुजरिम को लेकर उड़ चला।

अम्बिका ग्रह की जनता से हमारी
कोई दुश्मनी नहीं थी। हमारा
दुश्मन हमारे कब्जे में है। हम
पृथ्वी पर लौट जाएंगे।
अम्बिका ग्रहवासी अपना
कोई नया सम्राट चुन लेंगे
जो पृथ्वी को ईर्ष्या की दृष्टि
से न देखता हो।



मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि मैंने चाचा-चौधरी को
पकड़ लिया था, फिर
कैसे मैं हार गया ?

क्यों कि ये
चाचा-चौधरी
न.....



श...श...शी...

नहीं, अब मैं सच बता कर ही रहूंगा कि तुम...

अरे...रे...रे... नहीं
बस थोड़ी देर
और चुप रहो,
प्यारे साबू !

नहीं, मेरे पेट में दर्द होने लग गया
है! अब मैं बता कर ही रहूंगा कि
तुम...



सत्यानाश हो! बता दिया !!

चाचा चौधरी नहीं बल्कि उनके जुड़वां भाई छज्जू चौधरी हो। जिस
समय पृथ्वी से हमारा अपहरण हुआ था उस समय चाचा
चौधरी बाजार गए हुए थे और यह वहां मौजूद थे।

हैं!?

तब असली चाचा चौधरी
यह नकाबपोश होगा।

!?

नकाबपोश ने नकाब हटाया...

राजन ने ठीक कहा, मैं ही चाचा-चौधरी हूं!
सम्राट गुलोमी के सेवक गल्ली से मेरी जगह मेरे
भाई छज्जू चौधरी का अपहरण कर लाए थे।



तभी मैं हार गया। अब तुम्हारा
अपहरण हुआ होता तो इतनी
अच्छी प्लानिंग कोई न बना पाता।

तुम गल्ली पर हो सम्राट! यहां जितने
भी व्यक्ति हैं वह सब अपने अपने
फन में उस्ताद हैं। मैं न भी होता
तो भी तुम यह युद्ध नहीं जीत
सकते थे!

बाद में... सौवें राकेट से पृथ्वी
के चारों राकेट निकले...

चारों राकेट आ जॉन के टापू पर उतरे।

मित्रों
स्वागत है!

किर
डिनर
टेबल
पर...

सम्राट मुलोमी अपने किए की सजा जेल में भुगत रहा
है और यह नबुशी का सबसे बड़ा दिन है, क्योंकि हम सब
पहली बार एक साथ एक टेबल पर मौजूद हैं!

अनन्य

सम्राट



...ne/joinchat/AAAAAFQGITH...1QK1W